॥ श्री ॥

महेश्वरसुधाकर ।

श्रीराधाश्यामसुन्दर प्रेमियो के प्रसन्नार्थ
रामपुरेन्द्रैकवाग्वंशावतंश श्री गुमान
सिंहात्मज श्री महाराजा महेश्वर
बख्तसिंह जू देव की आज्ञानुसार
(ज़िला) फतेपुर असनीनगर
निवासी कवीन्द्र पण्डित मिश्र
मन्नालालात्मज श्री श्यामसु-
न्दर (श्याम) कवि ने नव
रससयुक्त निर्मित
किया ।

काशी ।

भारतजीवन प्रेस मे मुद्रित हुआ ।

सन १८८८ ई ।